

प्रेमक,

डॉ० एम०सी० जोशी,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सौदा में,

निदेशक,
उरेडा,
देहरादून।

ऊर्जा विभाग,

देहरादून: दिनांक: 17, अप्रैल, 2006

विषय:-

ग्रामीण विद्युतीकरण हेतु विकेन्द्रीकरण प्रणाली पर आधारित लघु जल विद्युत परियोजनाओं का निर्माण उरेडा के माध्यम से कराये जाने हेतु आवंटित किए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक कृपया अपने पत्र संख्या 365/उरेडा/04(1)-107/गोगिना-2/2005, दिनांक 24.01.2006 एवं 3066/उरेडा/04(1)-100/वाछम/2005, दिनांक 24.01.2006 का सन्दर्भ ग्रहण करें।

इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या 946/1/2005-03(8)-06/2005, दिनांक 15.03.2005 के क्रम में विकेन्द्रीकृत के आधार पर विद्युतीकरण हेतु निम्नलिखित दो परियोजनाओं के विकास/निर्माण के लिए उरेडा को आवंटित किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र०सं०	परियोजना का नाम	क्षमता	जनपद
1-	गोगिना-2	50 कि०वा०	बागेश्वर
2-	वाछम	500 कि०वा०	बागेश्वर

भवदीय,

(डॉ० एम०सी० जोशी)
अपर सचिव

271514)

संख्या: ८ /1/2005-03(8)/06/2005, तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- सचिव, अपारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय, भारत सरकार, ब्लॉक नं० 14, सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली।
- 2- सचिव, उत्तरांचल विद्युत नियामक आयोग, देहरादून।
- 3- अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल जल विद्युत निगम लि०, देहरादून।
- 4- अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पावर कारपोरेशन लि०, देहरादून।
- ✓ 5- प्रभाषी, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल।



(डॉ० एम०सी० जोशी)
अपर सचिव

△